IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT PATNA
Criminal Writ Jurisdiction Case No.27 of 2026

==========

Sonu Kumar Mishra, Son of Shashi Bhushan Mishra, Resident of Village- Nonhar, Block- Bikramganj, P.S.- Suryapura, District- Rohtas, Bihar

... ... Petitioner/s

Versus

1. The State of Bihar, through The Director General of Police, Bihar, Patna Bihar
2. Superintendent of Police, Aurangabad Bihar
3. Station House Officer, Amba Police Station, District Aurangabad, Bihar.
4. Roushan Pathak, Son of Upendra Pathak Resident of Village- Ketaki, P.S.- Dev, District- Aurangabad, Bihar.
5. Priyambada, D/o Arun Mishra R/o Village- Chandaut, P.S.- Amba, District- Aurangabad, Bihar
6. Shaurya Mishra, through mother Priyambada, D/o Arun Mishra, R/o Village- Chandaut, P.S.- Amba, District- Aurangabad, Bihar

... ... Respondent/s

==========

Appearance :
For the Petitioner/s : Mr.Dhananjay Kumar, Advocate
For the Respondent/s : Mr.A.A.G.12

==========

CORAM: HONOURABLE MR. JUSTICE SUDHIR SINGH
and
HONOURABLE MR. JUSTICE RAJESH KUMAR VERMA

ORAL ORDER

(Per: HONOURABLE MR. JUSTICE SUDHIR SINGH)

3 18-02-2026 Heard learned counsel for the parties.

2. The following reliefs have been sought in the present criminal writ petition:

> *"A writ in the nature of Habeas Corpus or any other appropriate writ/writs, order/orders, direction to release the wife of the petitioner as he been unlawfully detained at Village Ketaki, P.S. Dev, District Aurangabad, Bihar by respondent No 4 namely Roshan Pathak ignoring the fact that Respondent No 5 is legally wedded wife of the petitioner and Respondent No 6 is*

WEB COPY

minor son of the petitioner.

For that any other relief or reliefs may be granted as Your Lordships may deem fit and proper in the facts and circumstances of this case."

3. A report vide Memo No. 121 dated 14.01.2026 has been submitted by the S.D.P.O.,Aurangabad. The said report is taken on record, which reads as under:-

ज्ञापांक–121…/विधि शाखा

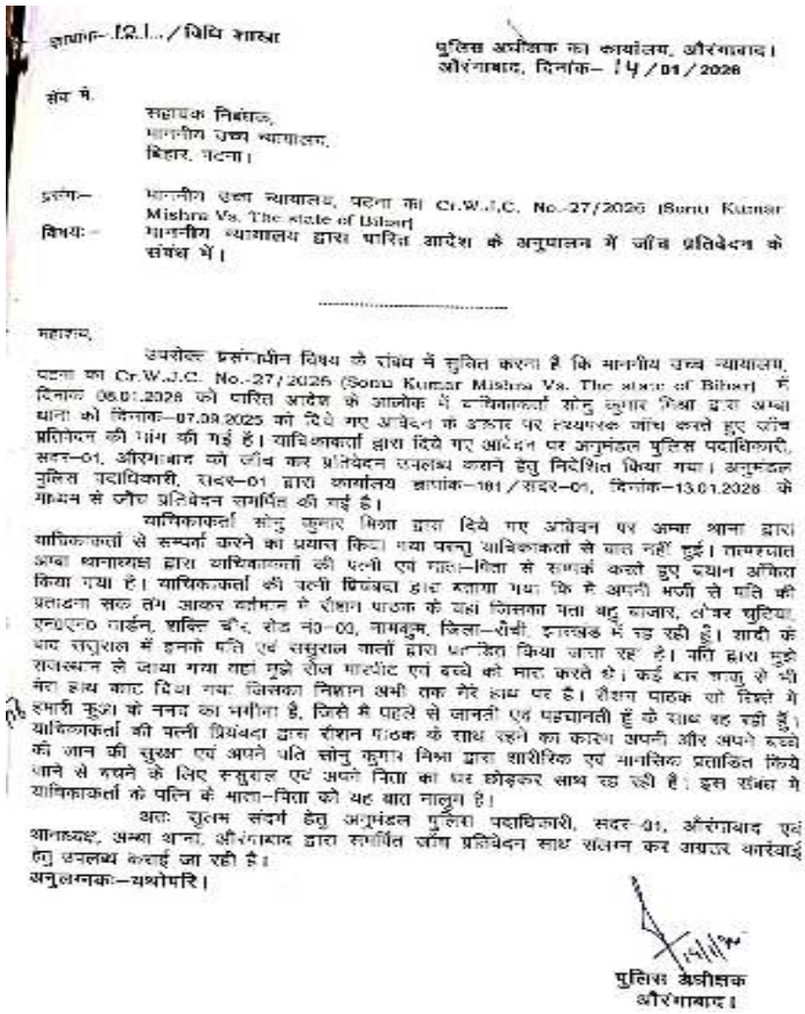

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, औरंगाबाद।
औरंगाबाद, दिनांक– 14/01/2026

सेवा में,
सहायक निबंधक,
माननीय उच्च न्यायालय,
बिहार, पटना।

प्रसंग– माननीय उच्च न्यायालय, पटना का Cr.W.J.C. No.-27/2026 (Sonu Kumar Mishra Vs. The state of Bihar)

विषयः– माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में जाँच प्रतिवेदन के संबंध में।

महाशय,

उपरोक्त प्रसंगाधीन विषय के संबंध में सूचित करना है कि माननीय उच्च न्यायालय, पटना का Cr.W.J.C. No.-27/2026 (Sonu Kumar Mishra Vs. The state of Bihar) में दिनांक 08.01.2026 को पारित आदेश के आलोक में याचिकाकर्ता सोनु कुमार मिश्रा द्वारा अम्बा थाना को दिनांक–07.09.2025 को दिये गए आवेदन के आधार पर स्थलीय जाँच करते हुए जाँच प्रतिवेदन की मांग की गई है। याचिकाकर्ता द्वारा दिये गए आवेदन पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर–01, औरंगाबाद को जाँच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर–01 द्वारा कार्यालय ज्ञापांक–101/सदर–01, दिनांक–13.01.2026 के माध्यम से जाँच प्रतिवेदन समर्पित की गई है।

याचिकाकर्ता सोनु कुमार मिश्रा द्वारा दिये गए आवेदन पर अम्बा थाना द्वारा याचिकाकर्ता से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया परन्तु याचिकाकर्ता से बात नहीं हुई। तत्पश्चात अम्बा थानाध्यक्ष द्वारा याचिकाकर्ता की पत्नी एवं माता–पिता से सम्पर्क करते हुए बयान अंकित किया गया है। याचिकाकर्ता की पत्नी प्रियंवदा द्वारा बताया गया कि मै अपनी मर्जी से पति की प्रताड़ना से तंग आकर वर्तमान मे रौशन पाठक के यहां जिसका पता बहु बाजार, चेंबर चुटिया, एन०एन० गार्डन, शक्ति चौक, रोड नं0–03, नामकुम, जिला–राँची, झारखंड में रह रही हूँ। शादी के बाद ससुराल में इनके पति एवं ससुराल वालों द्वारा प्रताड़ित किया जाता रहा है। पति द्वारा मुझे राजस्थान ले जाया गया वहां मुझे रोज मारपीट एवं बच्चे को मारा करते थे। कई बार चाकू से भी मेरा हाथ काट दिया गया जिसका निशान अभी तक मेरे हाथ पर है। रौशन पाठक जो रिश्ते मे हमारी बुआ के ननद का भगीना है, जिसे मै पहले से जानती एवं पहचानती हूँ के साथ रह रही हूँ। याचिकाकर्ता की पत्नी प्रियंवदा द्वारा रौशन पाठक के साथ रहने का कारण अपनी और अपने बच्चे की जान की सुरक्षा एवं अपने पति सोनु कुमार मिश्रा द्वारा शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ित किये जाने से बचने के लिए ससुराल एवं अपने पिता का घर छोड़कर साथ रह रही है। इस संबंध मे याचिकाकर्ता के पत्नि के माता–पिता को यह बात मालूम है।

अतः सुलभ संदर्भ हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर–01, औरंगाबाद एवं थानाध्यक्ष, अम्बा थाना, औरंगाबाद द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन साथ संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु उपलब्ध कराई जा रही है।

अनुलग्नकः–यथोपरि।

पुलिस अधीक्षक
औरंगाबाद।

4. Upon perusal of the aforesaid report, it is evident that the wife of the petitioner has left her matrimonial home out of her own will. It further appears that her statement has been duly

WEB COPY

recorded by the police authorities, wherein she has not alleged any illegal confinement.

5. In view of the aforesaid, this Court finds that no case for issuance of a writ of *habeas corpus* is made out, as there is no allegation or material to suggest that the wife of the petitioner is under unlawful detention.

6. Learned counsel for the petitioner submits that the petitioner seeks custody of the minor child, who is presently residing with the mother.

7. Considering the aforesaid facts and circumstances, if so advised, the petitioner is at liberty to approach Family Court of competent jurisdiction for redressal of his grievance.

8. With the aforesaid observation and liberty, the present petition stands disposed of.

9. Pending application, if any, shall also stand disposed of.

(Sudhir Singh, J)

(Rajesh Kumar Verma, J)

Sujit/-

U			

WEB COPY